TIMEPASS EDUCATION

बीएड – प्रथम वर्ष

मनोविज्ञान एवं शिक्षा मनोविज्ञान एक परिचय

For video tutorials please visit our youtube channel

‘Timepass Education’

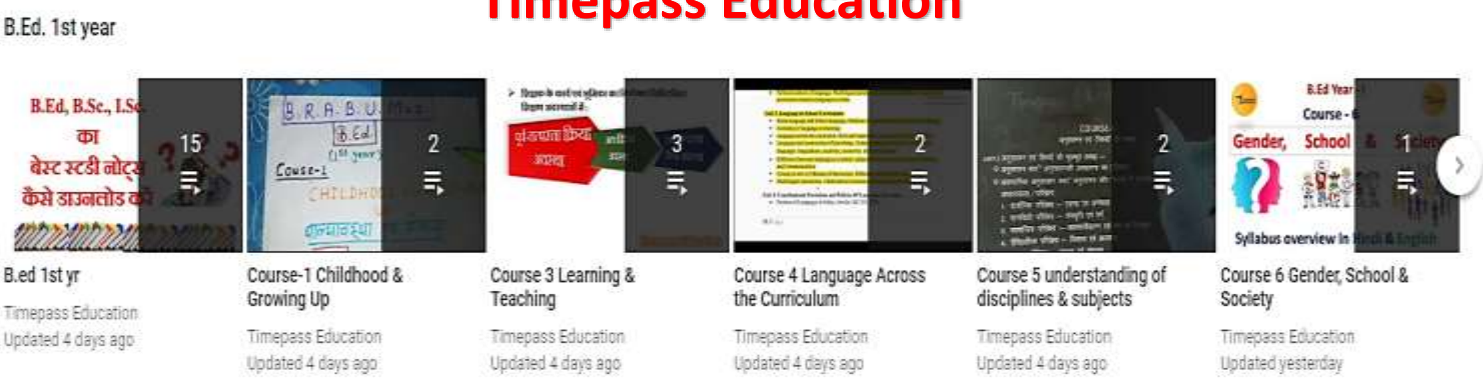

मनोविज्ञान

❖ अर्थ : -

मनोविज्ञान = मन का विज्ञान

❖ परिभाषायें

मन के अनुसार –

“मनोविज्ञान , व्यवहार और अनुभूति का एक निश्चित विज्ञान है जिसमे व्यवहार को अनुभूति के माध्यम से व्यक्त किया जाता है.”

स्किनर के अनुसार –

“मनोविज्ञान व्यवहार और अनुभव का विज्ञानं है.

❖ मनोविज्ञान की मुख्य शाखायें :-

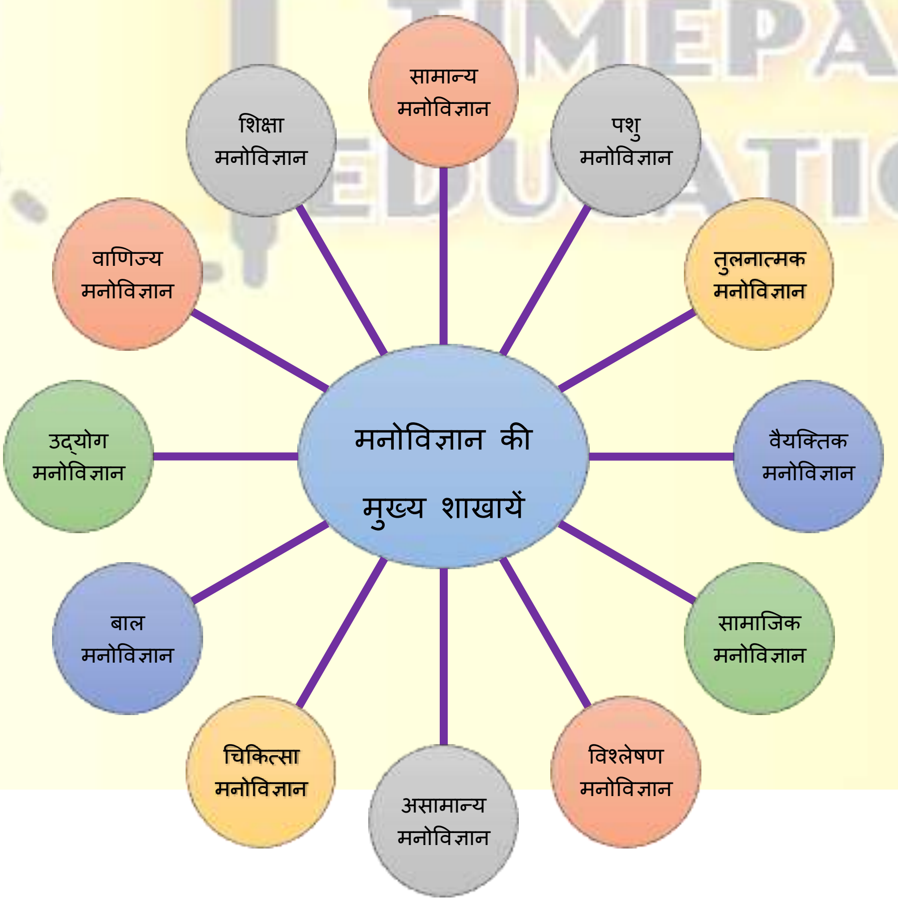

TIMEPASS EDUCATION

❖ शिक्षा मनोविज्ञान

प्रसिद्ध मनोवैज्ञानिक 'स्किनर' के अनुसार शिक्षा मनोविज्ञान का आरंभ अरस्तु के समय से माना जा सकता है .

शिक्षा मनोविज्ञान का अर्थ – 'शिक्षा सम्बन्धी मनोविज्ञान'

शिक्षा मनोविज्ञान का सम्बन्ध सीखने एवं सीखाने की विधियों से है.

स्किनर के अनुसार

"शिक्षा मनोविज्ञान शिक्षा का आवश्यक तत्त्व है. इसकी सहायता के बिना शिक्षा की गुत्थी सुलझाई नहीं जा सकती. शिक्षा तथा मनोविज्ञान इन दोनों का सम्बन्ध व्यवहार के साथ है. मनोविज्ञान की खोजों की शिक्षा के दुसरे पहलुओं पर गहरी छाप है."

शिक्षा तथा मनोविज्ञान को जोड़ने वाली कड़ी व्यवहार है

ब्राउन – "शिक्षा वह प्रक्रिया है जिसके द्वारा व्यक्ति के व्यवहार में परिवर्तन किया जाता है."

पिल्सबरी – 'मनोविज्ञान मानव व्यवहार का विज्ञानं है."

बी.एन. झा – "शिक्षा जो कुछ करती है और जिसप्रकार वह किया जाता है, उसके लिए मनोवैज्ञानिक खोजों पर निर्भर होना पड़ता है."

TIMEPASS EDUCATION

शिक्षा मनोविज्ञान की प्रकृति -

- **मानव व्यवहार पर केन्द्रित**
- **खोज और निरिक्षण से प्राप्त तथ्यों का संग्रह**
- **संगृहीत ज्ञान से सिद्धांतों का प्रतिपादन**
- **शैक्षिक समस्याओं के समाधान हेतु पद्धतियों का विकास**
- **शैक्षिक सिद्धांतों और प्रयोगों का आधार**

❖ मनोविज्ञान का शिक्षा में योगदान :-

- बालक का महत्व
- बालकों की विभिन्न अवस्थाओं का महत्व
- बालकों की रुचियों व मूल प्रवृतियों का महत्व
- बालकों की व्यक्तिगत भिन्नताओं का महत्व
- पाठ्यक्रम में सुधार
- पाठ्यक्रम सहगामी क्रियाओं पर बल
- सिखने की प्रक्रिया में उन्नति
- मूल्यांकन की नयी विधियाँ
- शिक्षा के उद्देश्य की प्राप्ति व सफलता
- नये ज्ञान का आधारपूर्ण ज्ञान

❖ शिक्षा मनोविज्ञान की आवश्यकता

- बालक केन्द्रित शिक्षा हेतु
- बालक के वृद्धि और विकास हेतु
- बालक को अपने वातावरण से सामंजस्य स्थापित करने हेतु
- शिक्षा के स्वरुप, उद्देश्यों और प्रयोजनों से परिचय हेतु
- अधिगम एवं शिक्षण से सम्बंधित सिधान्तों से अवगत होने हेतु
- संवेगों के नियंत्रण एवं शैक्षिक महत्व हेतु
- चरित्र निर्माण की विधियों एवं सिधान्तो से अवगत होने हेतु
- छात्रों की योग्यता मापन करने की विधियों में प्रशिक्षण हेतु

TIMEPASS EDUCATION

❖ शिक्षा मनोविज्ञान के क्षेत्र :-

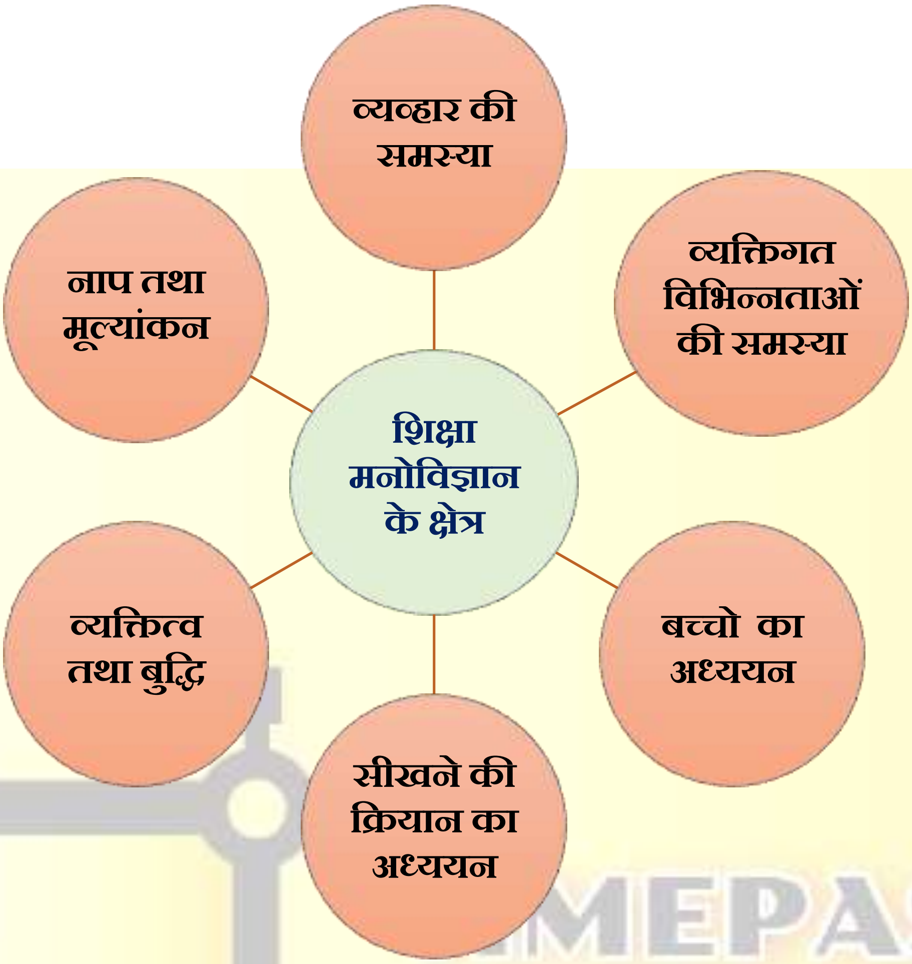

❖ शिक्षा मनोविज्ञान के उद्देश्य

सामान्य उद्देश्य	सिधान्तों की खोज तथा तथ्यों का संग्रहण
	बालक के व्यक्तित्व का विकास
	शिक्षण कार्य में सहायता पहुचाना
	शिक्षण विधि में सुधार
	शिक्षा के लक्ष्यों एवं उद्देश्यों की पूर्ति करना
विशिष्ट उद्देश्य	बालकों के प्रति निष्पक्ष एवं सहानुभूति पूर्ण दृष्टिकोण का विकास
	शिक्षा के स्तरों एवं उद्देश्यों को निश्चित करना
	शिक्षण परिणाम जानने में सहायता करना
	छात्र व्यवहार को समझने में सहायता करना
	शिक्षण समस्या के समाधान हेतु सिद्धांतों का ज्ञान

TIMEPASS EDUCATION

❖ TET की दृष्टिसे कुछ महत्वपूर्ण तथ्य

- मनोविज्ञान का जन्म अरस्तु के दर्शनशास्त्र के अंग के रूप में माना जाता है.
- मनोविज्ञान का जनक - विलियम जेम्स
- व्यवहारवादी मनोविज्ञान का जनक :- वाटसन
- सर्वप्रथम मनोवैज्ञानिक प्रयोगशाला की स्थापना करके मनोविज्ञान को वैज्ञानिक स्वरुप प्रदान किया किया:- विलियम वुंट (प्रसिद्द जर्मन मनोविज्ञान), 1879 ई. लिपजिंग में
- प्रयोगात्मक मनोविज्ञान के जनक:- विलियम वुंट
- शक्ति मनोविज्ञान का प्रतिपादक :- वॉल्फ
- आधुनिक शिक्षा के जनक :- जे.ए.स्टिपर
- शिक्षा में मनोवैज्ञानिक दृष्टिकोण की शुरुआत की :- रूसो ने
- मनोविज्ञान की शाखा के रूप में शिक्षा मनोविज्ञान का जन्म :- 1900 ई. में
- मनोविज्ञान का आरंभ
  - कौलिसन के अनुसार – प्लेटो से
  - स्किनर के अनुसार – अरस्तु से

मनोविज्ञान व्यव्हार का वैज्ञानिक अध्ययन करता है.

TIMEPASS EDUCATION
www.tpe.yplasite.com